Hindi Honours. V paper.

1. "कर्मभूमि" के नामकरण की सार्थकता पर विचार :-

X 2011

(i) मानवजीवन का चित्र —

(ii) मुसीबतों से विचलित न होना —

(iii) कर्तव्य के प्रति लगन —

(iv) समाज के लिए त्याग —

(v) आदर्श प्रेम —

(vi) कर्म का महत्व —

(vii) भौतिक संसाधन के प्रति उदासीन —

(viii) अपने आप (स्वयं) पर निर्भरता —

2. कर्मभूमि की समस्या के सार्थकता पर विचार :-

(i) वर्चस्ववादी समाज — ✓

(ii) पूंजीपति का आधिपत्य — ✓

(iii) किसानों का शोषण — ✓

(iv) छुआछूत की भावना — ✓

(v) ब्राह्मणों का विशेषाधिकार — ✓

(vi) जीवन का संदेश — ✓

3. कर्मभूमि में सकीना के बलिदान एवं त्याग -

(i) आदर्श (दिव्य) प्रेम — ✓

(ii) समर्पण की भावना — ✓

(iii) अटूट विश्वास — ✓

(iv) समाज एवं परिवार के लिए त्याग — ✓

(v) आदर्श प्रेमिका की भावना — ✓

(vi) कर्म की प्रधानता — ✓

सत्येन्द्र कुमार

8. कर्मभूमि में अमरकांत के बलिदान का वर्णन-
(i) अभाव में विद्यार्थी जीवन-
(ii) बचपन से ही संघर्ष शुरू-
(iii) पिता की सम्पति से लालच नहीं-
(iv) समाज के लिए त्याग-
(v) प्रेम का महत्व-
(vi) आदर्श प्रेमी के रूप में फर्ज-
(vii) व्यवहार में निपुनता-
(viii) अटूट धोती का बलिदान-

कर्मभूमि में सलीम का त्याग-

9. कर्मभूमि में सुखदा के बलिदान का वर्णन-
(i) व्यवहारिक दुनिया से अभिभूत-
(ii) सुख-शांति की भावना-
(iii) समाज के लिए कुर्बानी-
(iv) प्रेम की भावना-
(v) जीवन का लक्ष्य-
(vi) भारतीय नारी की विशेषता-

Scanned with CamScanner